

---

# Shri Sarasvati Stotram

---

## श्रीसरस्वतीस्तोत्रम्

---

### Document Information



---

Text title : Shri Sarasvati Stotram

File name : sarasvatIstotramumeshvarAnanda1.itx

Category : devii, sarasvatI, stotra, aShTaka

Location : doc\_devii

Proofread by : Paresh Panditrao

Description/comments : Ganga Mahatmya And Stuti Ratnavali By Swami Umeshvaranand Tirth

Latest update : July 8, 2023

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

July 8, 2023

*sanskritdocuments.org*

---



श्रीसरस्वतीस्तोत्रम्



श्वेताम्बरां हंसमुसेवितातां  
मृडाल पुष्पोपरि संषिशाञ्च ।  
वीणा नदन्तीं स्वर साधयन्ती  
नमामि वाणीं जन शान्तिदात्रीम् ॥ १ ॥

सरस्वतीं वेद विशारदां परां  
विमुक्तिदां नित्य सुधाब्धिधामदाम् ।  
अलौकिकां लोकसुबुद्धिदां त्वां  
नमामि कोटीन्दु समम्मुचिस्मिताम् ॥ २ ॥

वराभय पुस्तक मालिकामयीं  
स्वरैश्वर्यवर्णालय गान तत्पराम् ।  
वेदान्त विज्ञानघनाञ्च शारदां  
नमामितां चन्द्रमुखीं समुज्ज्वलाम् ॥ ३ ॥

हारैर्सुवासैश्च किरीटकुण्डले  
करद्वये वल्लकिना सुशोभिते ।  
उत्तुङ्ग वक्षस्थलरत्न शोभितां  
नमामी वाणीं सकलार्थ दायिनीम् ॥ ४ ॥

ऐङ्कार पूर्व च सरस्वतीञ्च  
युक्तं चतुर्थीं नमः शब्दमुत्तरम् ।  
कृत्वातु पञ्चायुत जापकाय  
सिद्धिं प्रदात्रीं प्रणमामि वाणीम् ॥ ५ ॥

शास्त्रार्थ सारं परमार्थ सारं  
विज्ञान सारं शुभज्ञान सारम् ।  
स्वरमलङ्कार गतं सुसारं  
तां शारदां नित्य नमामि भक्त्या ॥ ६ ॥

ॐ ह्रीं ऐं धीं क्लीं सौं श्रीं सरस्वत्यै नमः “इति मन्त्रः”

हीङ्काररूपां सुमुखीं विशुद्धां

ऐङ्काररूपां विमलां सुबोधाम् ।

धीङ्काररूपां हृदये विशन्तीं

क्लीङ्काररूपां प्रणमामि वाणीम् ॥ ७ ॥

सौङ्काररूपां सुखदां च नित्यं

श्रीङ्काररूपां सकलार्थदाञ्च ।

सरस्वतीं शान्तिप्रदां सदा त्वां

नमामि नित्यं परमार्थतत्त्वाम् ॥ ८ ॥


शारदाष्टकमिदं पुण्यं सर्वशास्त्रफलप्रदम् ।

पठनात् मननात् ध्यानात् भवति विमला मतिः ॥


इति श्री स्वामी उमेश्वरानन्दतीर्थविरचितं सरस्वती स्तोत्रं सम्पूर्णम् ।

Proofread by Paresh Panditrao

---

——  
*Shri Sarasvati Stotram*

pdf was typeset on July 8, 2023

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

